

30/10/19 पत्रावली पत्र है।

कभी प्रार्थना अनुष्ठित। प्रार्थना
प्रार्थना के कभी का भी भी
आवाज लगाते हैं कि वे सम्पूर्ण
में उपस्थित भी हैं न ही उनकी आ
है कि कभी कभी वे कभी कभी पत्र
आत आत ही ही व अतः पत्र
के प्रारंभ प्रारंभ ही ही ही
आदि में ही ही ही ही ही
इसे सम्पूर्ण ही ही ही ही
पत्रावली प्रारंभ ही ही ही
मार्ग ही ही ही ही ही

[Handwritten signature]

